Bipin Nambiar
(SBI PO 2018)

Shiraz Khan
(SBI Clerk 2018)

Kuldeep Yadav
(SBI PO 2018)

Rajat Saxena
(IBPS Clerk 2018)

Anupam Tyagi
(IBPS PO 2018)

FRIENDS!
WE USED **TESTZONE**
AND CRACKED BANK EXAMS

बैंक परीक्षाओ के लिए निश्चित
रूप से सर्वश्रेष्ट मॉक
टेस्ट सीरीज

IT'S YOUR TURN NOW
TAKE A **FREE** MOCK TEST

Smartkeeda
The Question Bank

Passage Test for RRB Scale I Mains & RRB Office Assistance Mains

Hindi Passage Quiz 5

दिशानिर्देश: निम्नलिखित गद्यांश का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर दें:

नागरिकता का तात्पर्य वोट देने, कर चुकाने, न्यायसभा में निर्णय करने तथा उन अन्याय कर्तव्यों को पूरा करने से कहीं अधिक है, जिनकी अपेक्षा कोई राष्ट्र अपने सदस्यों से करता है। ठीक-ठीक समझने पर इसके अन्तर्गत मनुष्य के वे सम्पूर्ण क्रिया-कलाप समाविष्ट हो जाते हैं, जिनका सम्बन्ध उसके साथी नागरिकों से है तथा जिनका प्रभाव राज्य के स्वास्थ्य एवं कल्याण पर पड़ता है। प्रकारांतर से इस भावना का विस्तार अपने पड़ोसी के प्रति कर्तव्य-निर्वाह तक माना जा सकता है। इसमें कानून द्वारा विदित सभी बातें तो अन्तर्निहित हैं ही, साथ ही कुछ ऐसे कर्तव्य भी समाविष्ट हैं; जिनके विषय में कानून चुप है और जिन्हें व्यक्ति के विवेक पर छोड़ दिया गया है। यह भावना निष्क्रिय नहीं है। इसका अभिप्राय अभद्र आचरण से निवृत्ति मात्र नहीं है, यह एक सक्रिय भावना है। सार्बजनिक कर्त्तव्यों से दूर रहने वाले मनुष्य को हम शांतिप्रिय नहीं, बल्कि निकम्मा मनुष्य समझते हैं। सार्वजनिक जीवन में शक्ति और ऊर्जा की स्थिति निर्मित होती है समय चूकने वाला मनुष्य तथा शत्रु का साथ देने वाला मनुष्य, दोनों ही अपने कर्तव्यों का अतिक्रमण करते हैं।

आदर्श राज्य वही हैं जहाँ प्रत्येक नागरिक अपने समुदाय का अंग बने रहने के लिए कृत-संकल्प हो, जो राज्य का भार कम करना चाहता हो, जो अपने स्वार्थ के सामने राज्य के स्वार्थ को वरीयता देता हो तथा आवश्यकता होने पर जो अपनी आकांक्षाओं, सुविधाओं, समय और धन को भी त्याग देने के लिए उद्यत रहता हो। ऐसा मनुष्य उस मशीन की भाँती कार्यशील रहता है, जिसका कोई पुर्जा न तो व्यर्थ होता है और न अक्षम, न तो घिसा-पिटा होता है और न टूटा-फूटा, अथवा अनुपयुक्त। ऐसी मशीन की एक-एक 'पुली' तथा 'दाँता उसका सारा भार धारण करते हैं तथा मशीन के वेगपूर्ण सुचारु संचालन में पूरा योग देते हैं जो मनुष्य अपना कर चुकाने में टालमटोल करता हो, वह तो घटिया नागरिक है ही, उसी प्रकार वह मनुष्य भी घटिया नागरिक है जो लोकसभा के लिए मतदान करते समय केवल अपने व्यक्तिगत स्वार्थ का ध्यान रखता है अथवा जो उदासीनता या आलस्य के कारण मतदान ही नहीं करता। उसी प्रकार वह घटिया नियोजक़ है जो अपने कर्मचारियों के प्रति व्यवहार करते समय न केवल नैतिक कानून का उल्लंघन करता है, बल्कि देश की सामाजिक समस्याओं को भी बढ़ाता है। इसी श्रेणी में 'काला बाजार' के मुनाफाखोर, व्यापारी लोग तथा उनके अनुयायी भी सम्मिलित होंगे। इसी श्रेणी में वे श्रमिक-कारीगर सम्मिलित होंगे जो वैयक्तिगत स्वार्थों के लिए ऐसे संमय हड़ताल आयोजित करते हैं, जब उनके देश का अस्तित्व दाँव पर लगा हो।

Smartkeeda
The Question Bank

1. आदर्श नागरिक से लेखक का क्या अभिप्राय है?

A. जहाँ के नागरिक सिर्फ मतदान देने जाये ओर अपने मनपसंद उम्मीदवार को जिताने में मदद करते हो।

B. ऐसे समय हड़ताल आयोजित करे चाहे देश की स्थिति कुछ भी हो, उनको अपनी आवाज रखनी चाहिये।

C. जहाँ के नागरिक अपने स्वार्थ के लिये राज्य के हित के विरुद्ध भी जाना पड़े फिर भी पीछे ना हटे।

D. जहाँ के नागरिक अपने हितों को अनदेखा कर राज्य के हितों को सर्वाधिक महत्व दे, तथा अपना समय, धन देकर राज्य के कल्याण के बारे में सोचे।

E. उपरोक्त सभी

2. सक्रिय नागरिकता का सटिक उदाहरण दिए गए विकल्पों में कौन दर्शाता है?

A. अपने व्यक्तिगत हितों के लिये कार्य करना तथा अपने में मशगूल रहना।

B. मनपसंद उम्मीदवार का चयन अथवा उसे विजयी बनाने की कोशिश करना।

C. राज्य के हित में कम करना तथा ऐसा कार्य करना जो कानून के दायरे में हो।

D. अभद्र आचरण का उदाहरण प्रस्तूत करें, और दूसरे को भी करने को बोलें।

E. इनमें से कोई नहीं।

3. लेखक के अनुसार घटिया नागरिक कौन है?

A. जो समाजिक कार्यों में सम्मिलित होता हो तथा अपना कर्तव्य निर्वाहन करता हो।

B. जो लोकसभा के लिए मतदान करते समय केवल अपने व्यक्तिगत स्वार्थ का ध्यान रखता है।

C. जो अपने स्वार्थ के सामने राज्य के स्वार्थ को वरीयता देता हो।

D. जो राज्य के हित में कार्य करता हो।

E. B और C दोनों

Smartkeeda
The Question Bank

4. कोई राज्य अपने नागरिकों से किन कर्तव्यों की अपेक्षा करता है?

A. जो व्यक्तिगत मुनाफों के लिये देश के अस्तित्व को दाव पर लगा दे

B. जो अपने दायित्वों को निर्वाहन कभी-कभी करे

C. कुछ निर्णय कानून के विरुध्द भी लेना पड़े तो बेझिझक लें

D. आपात के समय देश का साथ दें तथा कर समय पर चुकाएं

E. A और C दोनों

5. गद्यांश में प्रयुक्त वाक्यांश "वह घटिया नियोजक है जो अपने कर्मचारियों के प्रति व्यवहार करते समय न केवल नैतिक कानून का उल्लंघन करता है, बल्कि देश की सामाजिक समस्याओं को भी बढ़ाता है", इस कथन का तात्पर्य क्या है?

A. नियोजक मानसिक तौर पर बिमार है।

B. कर्मचारीगण की कार्यशैली शिथिल है।

C. नियोजक घटिया नागरिक है।

D. नियोजक कार्य के प्रति सख्त है।

E. B और D दोनों

6. गद्यांश में प्रयुक्त वाक्यांश 'कर्तव्यो का अतिक्रमण करना' इस कथन से लेखक क्या भाव प्रकट करना चाहता है?

A. गलत कार्यो का विरोध करना
B. दुर्जन का सहयोग करना
C. असमाजिक तत्वो का विरोध करना
D. मतदाण करना
E. इनमें से कोई नहीं

7. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "संकल्प" का सन्धि विच्छेद क्या होगा

A. सं: + कल्प
B. स: + कल्प
C. सन + कल्प
D. सम् + कल्प
E. A और B दोनों

8. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "अनुपयुक्त" का विपरीतार्थक शब्द क्या होगा?

A. आयुक्त
B. अप्रयुक्त
C. उपयुक्त
D. A और B दोनों
E. इनमें से कोई नहीं

9. विकल्पों में दिए गए शब्दों में कौन-सा शब्द "अस्तित्व "का पर्यायवाची नहीं है?

A. जिवंतता
B. विद्यमानता
C. अनुपस्थिती
D. मौजूदगी
E. B और C दोनों

10. शब्द "कृत-संकल्प "में कौन-सा समास है?

A. बहुव्रिहि
B. द्वंद
C. कर्मधारय
D. तत्पूरुस
E. द्विगु

Smartkeeda
The Question Bank

Correct answer:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
D	C	B	D	C	B	D	C	C	A

Explanation:

1. उपरोक्त गद्यांश के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि आदर्श नागरिक का कर्तव्य सिर्फ मतदान करना नहीं होता या मनपसंद उम्मीदवार चुनना नहीं होता, आदर्श नागरिक वो है जो अपने सुखों तथा स्वार्थ को दाव पर लगाकर राज्य हित के बारे में सोचे अथवा राज्य को आगे बढ़ाने में सहायता करे। अतः विकल्प A में दिया गया निष्कर्ष गलत है। विकल्प B में दिया गया निष्कर्ष यह दर्शाता है कि आदर्श नागरिक देश के आपात के समय भी हड़ताल करे जो की बिल्कुल गलत है क्योंकि जब देश ही नहीं रहेगा तो वो अपने नागरिकों की मदद नहीं कर सकता। अतः विकल्प B भी गलत है। विकल्प C के अध्ययन से नागरिक में निहित स्वार्थ की भावना झलक रही है। फलस्वरूप विकल्प C भी गलत है। विकल्प D के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि आदर्श नागरिक वह होता है जो अपने स्वार्थ तथा हितों को अनदेखा कर राज्य के उत्थान में अपनी निष्ठा का परिचय देता हो।

अतः विकल्प D सही चयन है।

2. दिए गए विकल्पों के अध्ययन से यह ज्ञात कि, विकल्प A में स्वार्थ निहित भावना प्रतीत हो रहा है जो की निष्क्रिय तथा संकुचित विचार है, जिसमें अपनी तरक्की को देश से आगे रखा गया है। विकल्प B और D नागरिकों के अभद्र तथा अमानवीय व्यवहार का परिचय प्रस्तुत कर रहा है जो की एक गलत विकल्प है। विकल्प C इस वाक्य में अपने देश की उन्नति को अपनी महत्वाकांक्षा से परे दर्शाया गया है जो की एक सक्रिय नागरिक का कर्तव्य है इसलिये विकल्प C सही चयन है।

अतः सही चयन विकल्प C है।

3. सभी विकल्पों के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि विकल्प A, C, D में एक जिम्मेदार नागरिक में निहित गुणों का उल्लेख किया गया है, जो की प्रश्नानुसार सही विकल्प नहीं है। जबकि विकल्प B सही चुनाव है क्योंकि इसमें नागरिक अपने व्यक्तिगत लाभ के लिये अपने मनपसंद उम्मीदवार को चुन रहा है जो की राज्य की प्रगति तथा उसके हित के लिये गलत साबित होगा।

अतः सही चयन विकल्प B है।

4. विकल्प A मे देशहित को व्यक्तिगत लाभ के लिये उसकी गरिमा और अखंडता को दाव पर लगने की बात कही गयी है जो की गलत विकल्प है। विकल्प B में नागरिक का दायित्व कभी-कभार निभाने को बोला गया है जो की गलत चयन है क्योंकि कर्तव्य निर्वहन समय देख कर नहीं बल्कि देश हित को ध्यान में रखते हुए करना चाहिये। अत: विकल्प B सही चयन नहीं है। विकल्प C इस वाक्य में नागरिक को कानून के विरुध्द कार्य करने को कहा जा रहा है जो की असंवैधानिक तथा दंडनीय है। फलस्वरूप यह एक गलत चयन है। तथा विकल्प D इस वाक्य में एक आदर्श नागरिक होंने के साथ साथ देश के प्रति अपनी सच्ची निष्ठा दिखाना एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है कोई भी देश अपने नागरिको से यही अपेक्षा रखता है। इसलिय यह एक सही चुनाव है।

अतः सही चयन विकल्प D है।

Smartkeeda
The Question Bank

5. नैतिकता आचरण/व्यवहार की एक शाखा है जो समाज के भीतर सही और गलत की अवधारणा को परिभाषित करता है। विभिन्न समाजों द्वारा परिभाषित नैतिकता बहुत हद तक समान है। यह अवधारणा सरल है क्योंकि प्रत्येक इंसान एक-दूसरे से अलग है इसलिए कई बार यह संघर्ष का कारण भी हो सकता है। अत: विकल्प C में दिया गया निष्कर्ष कि **"नियोजक एक घटिया नागरिक है"** इस अर्थ को दर्शाता है।

अतः सही चयन विकल्प C होगा।

6. **विकल्प A** "गलत कार्य का विरोध करना" गलत होने से रोकना है यह एक आदर्श नागरिक का सर्वोत्तम गुण है जो कर्तव्यों का निर्वाहन है ना कि कर्तव्यों का अतिक्रमण। अत: यह एक गलत चयन है।

विकल्प B "दुर्जन का सहयोग करना" मतलब अपने कर्तव्यों का गला घोटना है जो की कथन के अनुसार एक सही चयन है।

विकल्प C "असमाजिक तत्वो का विरोध करना" एक जिम्मेदार नागरिक का कार्य है, यह भी गलत चयन है।

विकल्प D "मतदान करना" सशक्त लोकतंत्र तथा अच्छी सरकार के लिये मतदान करना जरूरी है जो की एक समझदार नागरिक की निशानी है। यह विकल्प भी सही चयन नहीं है।

अतः सही चयन विकल्प B है।

7. संधि करते समय व्यंजन के साथ स्वर या किसी व्यंजन के मिलने से जो परिवर्तन आता है, उस परिवर्तन को ही व्यंजन संधि कहते हैं। यानी जब दो वर्णों में संधि होती है तो उनमें से पहला यदि व्यंजन होता हो और दूसरा स्वर या व्यंजन होता हो तो उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

इसलिए शब्द "संकल्प" का संधि-विच्छेद "सम् + कल्प "होगा।

अतः विकल्प D सही चयन है।

8. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "अनुपयुक्त" का अर्थ है "जिसे उपयोग में ना लाया गया हो"।

विकल्पों में दिए गए शब्दों:

- शब्द "आयुक्त" का अर्थ है "किसी आयोग का प्रधान शासनिक अधिकारी"
- शब्द "अप्रयुक्त" का अर्थ है "न-प्रयुक्त"।
- शब्द "उपयुक्त" का अर्थ है "जिसे उपयोग में लाया गया हो"

गहन अध्ययन करने पर हमें मालूम होता है कि शब्द "अनुपयुक्त" का विपरीतार्थक शब्द "उपयुक्त" होगा।

अतः सही चयन विकल्प C है।

9. शब्द "अस्तित्व" का अर्थ होता है मौजूदगी अर्थात उपस्थिति। दिए गए विकल्पों में जीवंतता, विद्यमानता तथा मौजूदगी ये सभी शब्द "अस्तित्व" के सामान अर्थ प्रकट करते हैं, जबकि शब्द "अनुपस्थिति" का अर्थ होता है गैर-मौजूदगी, जो की अस्तित्व के विपरीत अर्थ प्रकट करता है।

अतः सही चयन विकल्प C है।

10. शब्द “कृत-संकल्प” का अर्थ होता है वह व्यक्ति जिसने कोई कार्य करने का निश्चित संकल्प कर लिया हो। जिस समास के समस्तपदों में से कोई भी पद प्रधान नहीं हो एवं दोनों पद मिलकर किसी तीसरे पद की और संकेत करते हैं वह समास बहुव्रीहि समास कहलाता है। जैसे: गजानन : गज से आनन वाला, त्रिलोचन : तीन आँखों वाला।

अतः शब्द “कृत-संकल्प” में बहुब्रीहि समास है।

अतः सही चयन विकल्प A है।

Smartkeeda
The Question Bank

SmartKeeda
The Question Bank
Presents
TestZone
India's least priced Test Series platform
JOIN
ALL BANK EXAMS
2020-2021 Test Series
@ Just
₹599/-
300+ Full Length Tests
Brilliant Test Analysis
Excellent Content
Unmatched Explanations
JOIN NOW